तैयारी

युवाओं के नवाचारों को प्रोत्साहित करने की कवायद

आईटीआई में नवाचार बढ़ाने के लिए बनेंगे इनोवेशन और स्टार्टअप सेल

अक्षय कुमार

लखनऊ। प्रदेश में उच्च शिक्षा के बाद अब आईटीआई व पॉलीटेक्निक के युवाओं को भी नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में इनोवेशन व स्टार्टअप सेल बनाए जाएंगे। नए सत्र 2025-26 से इसकी शुरुआत होगी। इसमें उद्योगों का भी सहयोग लिया जाएगा। ताकि विद्यार्थियों को मशीनों के अलावा व्यावहारिक प्रशिक्षण दिलाया जा सके।

राजकीय व अन्य आईटीआई में हाल के दिनों में काफी अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाया गया है। 149 राजकीय आईटीआई को टाटा के सहयोग से अपग्रेड किया गया है। दूसरे चरण में 62 अन्य को भी अपग्रेड करने की तैयारी है। इन आईटीआई में जहां अत्याधुनिक मशीनों से प्रशिक्षण दिया जा रहा है, वहीं नए सत्र से यहां एक दर्जन मौजूदा जरूरत के अनुसार कोर्स भी शुरू हो रहे हैं।

उद्योगों का भी लिया जाएगा सहयोग, भ्रमण के जरिये सिखाएंगे बारीकी

अब यहां पढ़ने वाले युवाओं के नवाचारों को भी प्रोत्साहित करने की योजना है। युवाओं की नवाचार की सोच को स्वरोजगार से जोड़ते हुए अब उन्हें स्टार्टअप के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। इसके तहत संस्थानों में इनोवेशन क्लब व स्टार्टअप सेल स्थापित किए जाएंगे। जहां छात्रों को बिजनेस मॉडल बनाने, प्रोटोटाइप डिजाइन व बाजार शोध के बारे में बताया जाएगा।

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने बताया कि बड़े आईटीआई से इस पहल की शुरुआत होगी। इसके लिए कई उद्यमी संस्थानों से भी बात चल रही है। उन्होंने कहा कि युवा काफी अच्छा नवाचार कर रहे हैं। उन्हें बेहतर सहयोग व मार्गदर्शन मिलेगा तो वे और बेहतर करेंगे।

आसपास की कंपनियों से किया एमओयू

डॉ. हरिओम ने बताया कि हाल के वर्षों में इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट इंटरफेस को आगे बढ़ाया जा रहा है। आईटीआई को उद्योगों के साथ जोड़ा जा रहा है। इससे शोध परियोजनाओं, इंटर्नशिप व नवाचार को बढ़ावा मिल रहा। इसके लिए आईटीआई संस्थानों ने आसपास की कंपनियों के साथ एमओयू किया है। समय-समय पर छात्रों को इंडस्ट्री भ्रमण कराके वहां की वास्तविक जानकारी व कार्यस्थल का अनुभव दिलाया जा रहा है। उद्योग भी युवाओं को अपनी जरूरत के अनुसार तैयार करने में सहयोग कर रहे हैं।